



83
9/7/82

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 155]
No. 155]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 24, 1982/ ज्यैष्ठ 3, 1904
NEW DELHI, MONDAY, MAY 24, 1982/JYAISTHA 3, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 24 मई, 1982

सां०कां०नि० 422(अ):—खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्राख्य खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा यथा अपेक्षित भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं० सां०कां०नि० 674(अ) तारीख 26 दिसम्बर, 1981 के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2—खण्ड 3, उपखण्ड (i) पृष्ठ 1947-1948 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उस तारीख से जिसकी उस राजपत्र की प्रतियां जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी जनता को उपलब्ध करा दी गई थी वेतासीस दिन की समाप्ति के पूर्व उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना थी;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 25 दिसम्बर, 1981 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार ने प्राख्य नियमों की बाबत प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, खाद्य मानक केन्द्रीय समिति से परामर्श करने के पश्चात् उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त

व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए, खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (चतुर्थ संशोधन) नियम, 1982 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के नियम 2 के खण्ड (क) के उपखण्ड (3) के पश्चात् निम्नलिखित उपखण्ड प्रस्तापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(4) गोला-बारूद कारखाने या उपस्कर कारखाने की दशा में ऐसे कारखाने या उपस्कर कारखाने या दोनों का महाप्रबन्धक”

[सं० पी० 150 14/12/81-पी एच (एफ एण्ड एन)/पी एक ए]

सी०वी०एस० मणी, प्रपर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
(Department of Health)

New Delhi, the 24th May, 1982

G.S.R. 422 (E).—Whereas certain draft rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, were published as required by Sub-Section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), with the notification of Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No.

G.S.R. 674(E) dated the 26th December, 1981 at pages 1947-1948 in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of fortyfive days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published were made available to the public;

And whereas, the copies of the said Gazette were made available to the public on the 26th December, 1981;

And whereas the objections and suggestions received from the public or the draft rules have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 23 of the said Act, the Central Government, after consultation with Central Committee for Food Standards, hereby makes the following further to

amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely :—

RULES

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Fourth-Amendment) Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, in Rule 2, in clause (c), after sub-clause (iii), the following sub-clauses shall be inserted, namely :—

“(iv) in the case of an ordnance factory or equipment factory, the General Manager of such factory or equipment factory or both”.

[No. P. 15014/12/81-PH(F & N) PFA]

C. V. S. MANI, Additional Secy.